

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

‘एक शहंशाह के ख्वाब की बेमिसाल ताबीर’



हिन्दू, मुस्लिम सम्मिलित वास्तु कला के चिरस्मरणीय स्थल और इमारतों के दर्शन करने हों तो उत्तर प्रदेश में आगरा के समीप फतेहपुर सीकरी जरूर जाइये। पूरा का पूरा नगर वास्तु वैभव का अनूठा संगम स्थल है। अकल्पनीय और बेमिसाल कलात्मक किला एवं भवनों का समूह देख कर उन अनाम शिल्पियों के प्रति श्रद्धा भाव उत्पन्न होता है जिनकी हथौड़ी और छेनी ने इतनी सुंदर कल्पनाओं को साकार किया। इनकी चमक 400 वर्ष बाद भी बरकरार है और सैलानियों को अपने जादुई सम्मोहन में बांध लेने की पूरी शक्ति रखते हैं। यहाँ शिख का सबसे बड़ा बुलन्द दरवाजा होने से वर्ष 1986 ई. में फतेहपुर सीकरी के नाम से यूनेस्को की सांस्कृतिक श्रेणी में विश्व धरोहर में शामिल किया गया। इससे इस ऐतिहासिक स्थान का महत्व और भी बढ़ गया। बुलन्द दरवाजे को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है। बुलन्द दरवाजा 53.63 मीटर ऊँचा और 35 मीटर चौड़ा है। इसे लाल और बलुआ पत्थर से बनाया गया है। इस बुलन्द द्वार की सज्जा और नक्काशी में काले व सफ़ेद संगमरमर पत्थर का उपयोग किया गया है। बुलन्द दरवाजे के मध्य ऊपर की ओर लगे शिलालेख से अकबर की धार्मिक भावना का पता चलता है। बुलन्द दरवाजे की जमीन की ऊँचाई 280 फीट है। दर्शक 52 सीढ़ियाँ चढ़ने के बाद इस दरवाजे पर पहुँचते हैं। दरवाजे में लकड़ी के विशाल किवाड़ आजतक वैसे ही लगे हुए हैं। बुलन्द दरवाजे को सम्राट अकबर ने अपनी गुजरात विजय के बाद 1602 ई. में बनवाया था।

बुलन्द दरवाजे के पीछे यहाँ की मस्जिद मक्का की मस्जिद की तर्ज पर जामा मस्जिद बनाई गई है और इसके डिजाईन में हिन्दू और पारसी वास्तुशिल्प का प्रयोग किया गया है। मस्जिद में एक स्थान पर एक विचित्र प्रकार का पत्थर लगा है। जिसको थपथपाने से नागाड़े जैसी ध्वनी सुनाई देती है। मस्जिद पर सुन्दर नक्काशी की गई है। मस्जिद के उत्तर में शोख सलीम चिरती की दरगाह बनी है। बताया जाता है कि यहाँ आकर निःसन्तान मुस्लिम महिलाएँ सन्तान के लिए दुआ मांगती हैं। शोख सलीम की समाधि संगमरमर से बनी है तथा इसके चारों ओर पत्थर के बहुत बरिक्त कार्य की सुन्दर जाली लगाई गई है जो मनमोहक दिखाई देती है। यह जाली दूर से देखने पर जालीदार शैर शमी बस्त्र की भाँति नजर आती है। समाधि के ऊपर मूल्यवान सीपए सींग तथा चन्दन का 400 वर्ष पुराना शिल्प कार्य लगता है मानो अभी-अभी किया है। श्वेत पत्थरों में विविध रंगों वाली फूल, पत्तियाँ नक्काशी की कला के उदाहरण है। समाधि के किवाड़ आबनूस के बने हैं। जहाँगीर ने समाधि की दीवार पर चित्रकारी करवाई। लार्ड कर्जन ने समाधि के चंदन और शीप के कटघरे का पुनर्निर्माण कराया।

अकबर द्वारा निर्मित एक महल पंच महल है जिसे अकबर महल भी कहते हैं। इस पांच मंजिले महल की वास्तुकला किसी बौद्ध मन्दिर से प्रेरित प्रतीत होती है। इसमें कारीगरीपूर्ण कुल 176 खम्भे हैं। जिनमें से 84 भूतल पर, 56 प्रथम तल पर और 20 तथा 12 खम्भे क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय तल पर हैं। अन्तिम तल पर 4 खम्भे हैं जिनके ऊपर एक छतरी स्थित है। यह भवन की पाँच मंजिलें ऊँचाई में क्रमशः छोटी होती जाती हैं। भवन के चार चमन के आँगन में सुंदर तालाब अनुपाताल है, जहाँ तानसेन राग दीपक गया करते थे। इसका उपयोग शाही हरम में रहने वाली महिलाओं के विलास और मनोरंजन के लिए किया जाता था। जोधाबाई के महल की ओर जाने वाले मार्ग पर अन्य इमारतों में ख्वाबगाहए अनूप तालाब, आबदार खाना, पचीसी दरवार, आँख मिचोली (जहाँ अकबर अपने हरम की महिलाओं के साथ छुपा। छिपी का खेल खेलते थे) और इसे बाद में शाही खजाने में तब्दील कर दिया गया। ज्योतिषी का कमरा, दफ्तर खाना, इबादतखाना और हरम प्रमुख हैं। सभी महलों में सबसे बड़ा महल जोधा बाई का महल है, जिसमें अकबर की महारानी जोधा बाई रहती थी। यहाँ गुजरात, माँडू एवं ग्वालियर की वास्तुकला का परम्परागत इस्लामी वास्तुकला के साथ मिश्रण किया गया है। साथ ही इसकी नीली टाइलों से बनी छत फतेहपुर सीकरी में अपने तरह की एकमात्र वास्तुकला है। ताल के पूर्व में अकबर की तुर्की बेगम रुकैया का महल है। इस महल की सजावट तुर्की के शिल्पकारों ने की थी। दीवारों, छतों एवं स्तम्भों की बारीक कारीगरी देखते ही बनती हैं। रुकैया बेगम के महल के दाईं ओर दीवान-ए-आम 350 फीट लम्बा नक्काशीदार हॉल बना है जहाँ अकबर अपनी दो बेगमों के साथ न्याय करता था।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेघ (च, घे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में अमलपद्धती को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ड,छ,के,को,ठ) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। लोगों की बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (ता, ता, पी, पी, फ, फ, ठ, ठे, धो, धो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सहायता होगी। काम के चंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, म, मी, मू, धा, फा, दा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहे तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (मो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गु, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, ध, डा, ज, दे, दो, वा, वी) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बड़ी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएँ, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

गुरु-शिष्य संबंधों की संस्कृति के बदलते मायने

भारतीय संस्कृति में गुरु पूर्णिमा का विशेष महत्व है, यह अध्यात्म-जगत का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसे अध्यात्म जगत की बड़ी घटना के रूप में जाना जाता है। पर्वों, त्यौहारों और संस्कारों की भारतभूमि में गुरु का स्थान सर्वोपरि माना गया है। पश्चिमी देशों में गुरु का कोई महत्व नहीं है, वहाँ विज्ञान और विज्ञापन का महत्व है परन्तु भारत में सदियों से गुरु का महत्व रहा है। यहां की माटी एवं जनजीवन में गुरु को ईश्वरतुल्य माना गया है, क्योंकि गुरु न हो तो ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग कौन दिखायेगा? गुरु ही शिष्य का मार्गदर्शन करते हैं और वे ही जीवन को ऊर्जामय बनाते हैं। गुरु-पूर्णमा गुरु-पूजन का पर्व है। सन्मार्ग एवं सत-मार्ग पर ले जाने वाले महापुरुषों के पूजन का पर्व, जिन्होंने अपने त्याग, तपस्या, ज्ञान एवं साधना से न केवल व्यक्ति को बल्कि समाज, देश और दुनिया को भवसागर से पार उतारने की राह प्रदान की है। जीवन विकास के लिए भारतीय संस्कृति में गुरु की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गई है। गुरु की सन्निधि, प्रवचन, आशीर्वाद और अनुग्रह जिसे भी भाग्य से मिल जाए उसका तो जीवन कृतार्थता से भर उठता है। क्योंकि गुरु बिना न आत्म-दर्शन होता और न परमात्म-दर्शन। गुरु भवसागर पार पाने में नाविक का दायित्व निभाते हैं। वे हितचिंतक, मार्गदर्शक, विकास प्रेरक एवं विघ्नविनाशक होते हैं। उनका जीवन शिष्य के लिये आदर्श बनता है। उनकी सीख जीवन का उद्देश्य बनती है। अनुभवों आचार्यों ने भी गुरु की महत्ता का प्रतिपादन करते हुए लिखा है- गुरु यानी वह अर्हता जो अंधकार में दीप, समुद्र में द्वीप, मरुस्थल में वृक्ष और हिमखण्डों के बीच अग्नि की उपमा को सार्थकता प्रदान कर सके।

गुरु पूर्णिमा आत्म-बोध की प्रेरणा का शुभ त्योहार है। आषाढ़ की समाप्ति और श्रावण के आरंभ की संधि को आषाढ़ी पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा अथवा गुरु पूर्णिमा कहते हैं। यह त्योहार गुरु-शिष्य के आत्मिय संबंधों को सचेतन व्याख्या देता है। काव्यात्मक भाषा में कहा गया है- गुरु पूर्णिमा के चांद जैसा और शिष्य आषाढ़ी बादल जैसा। गुरु के पास चांद की तरह जीए ये अनुभवों का अक्षय कोष होता है। इसीलिये इस दिन गुरु की पूजा की जाती है इसलिए इसे 'गुरु पूजा दिवस' भी कहा जाता है। प्राचीन काल में विद्यार्थियों से शुकल नहीं वसूला जाता था अतः वे साल में एक दिन गुरु की पूजा करके अपने सामर्थ्य के अनुसार उन्हें दक्षिणा देते थे। महाभारत काल से पहले यह प्रथा प्रचलित थी लेकिन धीरे-धीरे गुरु-शिष्य संबंधों में बदलाव आ गया।

गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश के समान समझ कर सम्मान करने की पद्धति पुरातन है। 'आचार्य देवोभयः' का स्पष्ट अनुदेश भारत की पुनीत परंपरा है और वेद आदि ग्रंथों का अनुपम आदेश है। ऐसी मान्यता है कि हरिशरणी एकादशी के बाद सभी देवी-देवता चार मास के लिए सो



विवार बिन्दु

आजकल विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा देने वाले शिक्षक को और लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान देने वाले को गुरु कहा जाता है। शिक्षक कई हो सकते हैं लेकिन गुरु एक ही होते हैं। हमारे धर्मग्रंथों में गुरु शब्द की व्याख्या करते हुए लिखा गया है कि जो शिष्य के कानों में ज्ञान रूपी अमृत का सींचन करे और धर्म का रहस्योद्घाटन करे, वही गुरु है। यह जरूरी नहीं है कि हम किसी व्यक्ति को ही अपना गुरु बनाएं। योग दर्शन नामक पुस्तक में भगवान श्रीकृष्ण को जगतगुरु कहा गया है क्योंकि महाभारत के युद्ध के दौरान उन्होंने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश दिया था।

जाते हैं। इसलिए हरिशरणी एकादशी के बाद पथ प्रदर्शक गुरु की शरण में जाना आवश्यक हो जाता है। परमात्मा की ओर संकेत करने वाले गुरु ही होते हैं। गुरु एक तरह का बांध है जो परमात्मा और संसार के बीच और शिष्य और भगवान के बीच सेतु का काम करते हैं। इन गुरुओं की छत्रछाया में से निकलने वाले कपिल, कणाद, गौतम, पाणिनी आदि अपने विद्या वैभव के लिए आज भी संसार में प्रसिद्ध हैं। गुरुओं के शत पवित्र आश्रम में बैठकर अध्ययन करने वाले शिष्यों की बुद्धि भी तद्नुकूल उज्ज्वल और उदात्त हुआ करती थी।

आजकल विद्यार्थियों को व्यावहारिक शिक्षा देने वाले शिक्षक को और लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान देने वाले को गुरु कहा जाता है। शिक्षक कई हो सकते हैं लेकिन गुरु एक ही होते हैं। हमारे धर्मग्रंथों में गुरु शब्द की व्याख्या करते हुए लिखा गया है कि जो शिष्य के कानों में ज्ञान रूपी अमृत का सींचन करे और धर्म का रहस्योद्घाटन करे, वही

गुरु है। यह जरूरी नहीं है कि हम किसी व्यक्ति को ही अपना गुरु बनाएं। योग दर्शन नामक पुस्तक में भगवान श्रीकृष्ण को जगतगुरु कहा गया है क्योंकि महाभारत के युद्ध के दौरान उन्होंने अर्जुन को कर्मयोग का उपदेश दिया था। माता-पिता केवल हमारे शरीर की उत्पत्ति के कारण हैं लेकिन हमारे जीवन को सुसंस्कृत करके उसे सर्वांग सुंदर बनाने का कार्य गुरु या आचार्य का ही है।

पहले गुरु उसे कहते थे जो विद्यार्थी को विद्या और अविद्या अर्थात् आत्मज्ञान और सांसारिक ज्ञान दोनों का बोध कराते थे लेकिन बाद में आत्मज्ञान के लिए गुरु और सांसारिक ज्ञान के लिए आचार्य-ये दो पद अलग-अलग हो गए। भारत के महा-दार्शनिक ओशो ने जब यह कहा कि हमारी शिक्षण संस्थाएं अविद्या का प्रचार कर रही हैं तो लोगों ने आपत्ति की लेकिन वे बात सही कह रहे थे। आज हमारे विद्यालयों में ज्ञान का नहीं बल्कि सूचनाओं का हस्तांतरण हो रहा है। विद्यार्थियों का ज्ञान से अब कोई



ललित गर्ग



आज का इतिहास

23 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1998	सं.रा. अमेरिका ने सात भारतीय वैज्ञानिकों को देश छोड़ने के लिए आदेश दिया।
1999	मोरक्को के शाह हसन का निधन।
2000	व्यापक घोषणाओं के साथ नागों में हुए समूह-8 का 26वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न।
2001	मेघावती सुक्राण्णीपूरी इंडोनेशिया की राष्ट्रपति बनीं।
2005	मिख के शर्म अल-शेख और नामा बे के कुछ होटलों में बम विस्फोटों से लगभग 100 लोग मारे गये।
2007	अफ़गानिस्तान के राष्ट्रपति मुहम्मद जहीरशाह का निधन।
2008	नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति रामबरन यादव को अपना इस्तीफ़ा सौंपा।

जन्मे व्यक्ति	
1856	बाल गंगाधर तिलक, गणितज्ञ, दार्शनिक और उग्र राष्ट्रवादी व्यक्ति।
1906	चंद्रशेखर आजाद, स्वतन्त्रता सेनानी
1898	ताराशंकर बंद्योपाध्याय, ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध बांग्ला साहित्यकार
निधन	
2016	एस. एच. रज़ा - भारत में जन्में प्रसिद्ध चित्रकार थे।
2012	लक्ष्मी सहगल - स्वतंत्रता सेनानी और समाजसेविका
1993	लक्ष्मण प्रसाद दुबे - छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक।

सामाज की सच्चाई को बताता - "सुलगता मौन" कहानी संग्रह

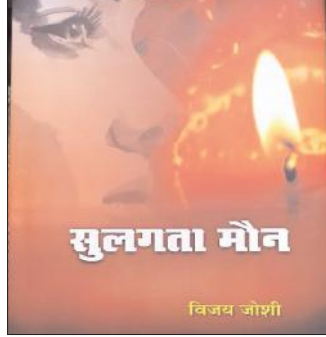
विवार बिन्दु



डॉ.प्रभात कुमार सिंघल

रूही संस्थान पाठ्यक्रम से प्रशिक्षण प्राप्त कर वे युवा भी समाज के सबसे नरहें बच्चों को आरंभ से इस एकता की अवधारणा के लिए आवश्यक गुण व योग्यता देते हैं।

कथाकार विजय जोशी की कहानियों को पढ़ना एक तरह से समाज को पढ़ना है। इनकी सभी कहानियाँ समाज की सच्चाई के दर्दमिर्द घूमती हैं। इनमें हमें सीखने, समझने और सोचने की दिशा और संकेत मिलते हैं। कहानियों में चरित्र परिवर्तन और समस्या के समाधान का संकेत होना ही कहानी को सशक्त बनाता है। यह तथ्य विजय जोशी की कहानियों में पूर्णतः निरूपित होता है। कहानी-संग्रह "सुलगता मौन" के आमुख में डॉ. गीता सक्सेना ने कथाकार विजय जोशी की रचनात्मकता के बारे में लिखा है कि - "आलोचना के मर्म को गहनता से समझने वाले रचनाकार को सामाजिकता को सूक्ष्मता से परखने और आत्मसात करने की प्रवृत्ति इनकी रचनात्मकता को अद्भुतता देती है। स्वेदनाओं के धरातल पर परिवेश को सुस्पष्ट भाव-भंगिमाओं में शब्दांकित करती कहानियों की एक श्रंखला है - सुलगता मौन'। कथाकार के इस कहानी संग्रह में आस के पंछी, सबक, भीगा हुआ मन, अब ऐसा नहीं होगा, नर्म अहसास, कदमताल, नाटक, अपनों से पराए, सुलगता मौन, पाटखे, सीमे हुए अरमान कुल 11 कहानियों



सुलगता मौन

विजय जोशी

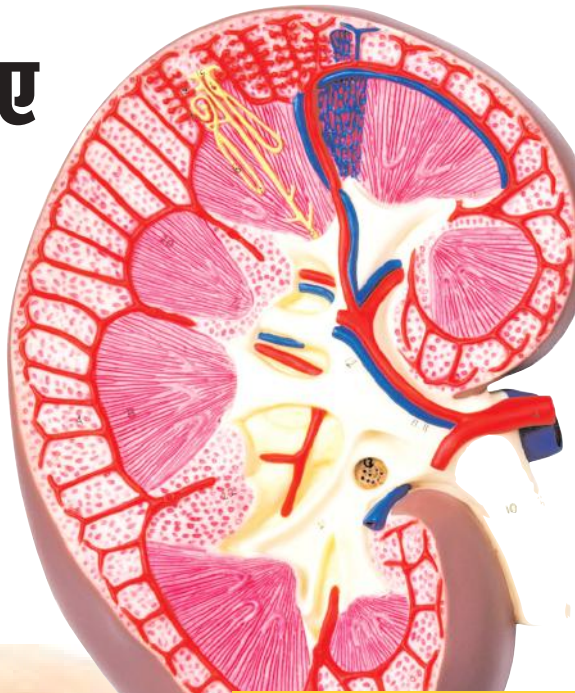
हैं। ये सभी कहानियाँ वर्तमान समाज, परिवार और व्यक्ति में रहे परिवर्तन को सरलता से पाठकों के सामने लाती हैं। इस संग्रह की हर एक कहानी कुछ न कुछ सन्देश देती है। पाठकों को सोचने के लिए मजबूर करती हैं। संग्रह की 'आस के पंछी' और 'अपनों से पराये' दोनों ऐसी कहानियाँ हैं जो रिरतों-रिरतों के बीच उत्पन्न स्थितियों को साफ-साफ दिखाती हैं। 'सबक' में परिवार की स्थितियों और उनके प्रभाव, स्वभाव और आपाजक को सामने लाया गया है। 'भीगा हुआ मन' आडम्बरों पर चोट करती है। 'अब ऐसा नहीं होगा' कहानी लड़की के जन्म लेने के

बाद की समस्या तथा मानसिक पीड़ा को बखूबी सामने लाती है। यह सामाजिक विडम्बना के पक्ष को पाठकों के सामने रखती है। 'नर्म अहसास' बदलती जीवन शैली से बदलते विचारों के प्रभाव का अहसास कराती है। 'कदमताल' परिवार में सन्देश करने से बिगड़ती स्थिति तथा सम्बन्धों में टकराहट का दर्पण है। 'नाटक' कहानी से साहित्य और समाज के नाटक का पर्दाफाश एक साक्षात्कार के माध्यम से होता है। 'सुलगता मौन' कहानी अपने भीतर पीड़ा को झेलते वृद्ध दम्पति के मौन को सरलता से कहती नजर आती है। 'फटाके' कहानी अंधविश्वास की पोल खोलती है। 'सीमे हुए अरमान' अवसरवादिता और कर्मठता के बीच के द्वन्द को दर्शाती है। जोशी ने सरल भाषा में सामाजिक और पारिवारिक जीवन के ईमानदारी से कहानियों के द्वारा प्रस्तुत किया है। इन कहानियों में आम जन की पीड़ा साफ-साफ दिखाती है। 'सबक' में परिवार की स्थितियों और उनके प्रभाव, स्वभाव और आपाजक को सामने लाया गया है। 'भीगा हुआ मन' आडम्बरों पर चोट करती है। 'अब ऐसा नहीं होगा' कहानी लड़की के जन्म लेने के

जोशी इस संग्रह में 'मन से...' के अन्दर कहते भी हैं कि - 'कथा-सृजन के इस सोपान में युग के सापेक्ष बदलते परिदृश्यों और उससे उत्पन्न परिस्थितियों का वह मौन मुखर है जो व्यक्ति के अन्तस्स में समुच्चय-सा एकत्रित एवं ऋणात्मक और धनात्मक सन्दर्भों से रूपायित कोष्ठकों के द्वारा आबद्ध रहता है। यही नहीं, तात्कालिक और दीर्घकालिक परिणामों के साक्षात्कार द्वारा उत्पन्न भाव, विचार और व्यवहार के उजागर हो जाने से निर्मित सम्बन्धों की आँच में सुलगता भी रहता है।' यही है विजय जोशी की कहानियों के पात्रों में सुलगता मौन जो समाज के सामने धीरे-धीरे उभर रहा है। यह पुस्तक अमेजॉन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है। राजस्थान के कोटा निवासी कथाकार जोशी विज्ञान के अध्येता और साहित्य में रूचि के मणिकान्ठ संयोग को सहितने वाले ऐसे कथाकार हैं जिन्होंने अपनी कहानियों के माध्यम से समाज को जागृत करने का सफल प्रयास किया है। हिन्दी में यह उनकी पाँचवाँ कहानी-संग्रह है तथा दो राजस्थानी कहानी-संग्रह सहित सातवाँ संग्रह है।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।



दिल, किडनी और लिवर खतरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजों को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरों जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

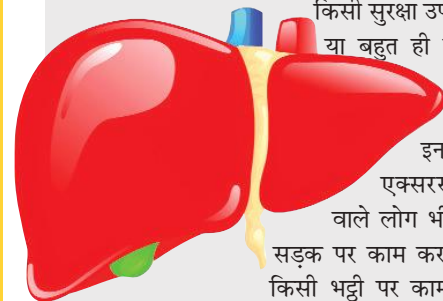
मरीज की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

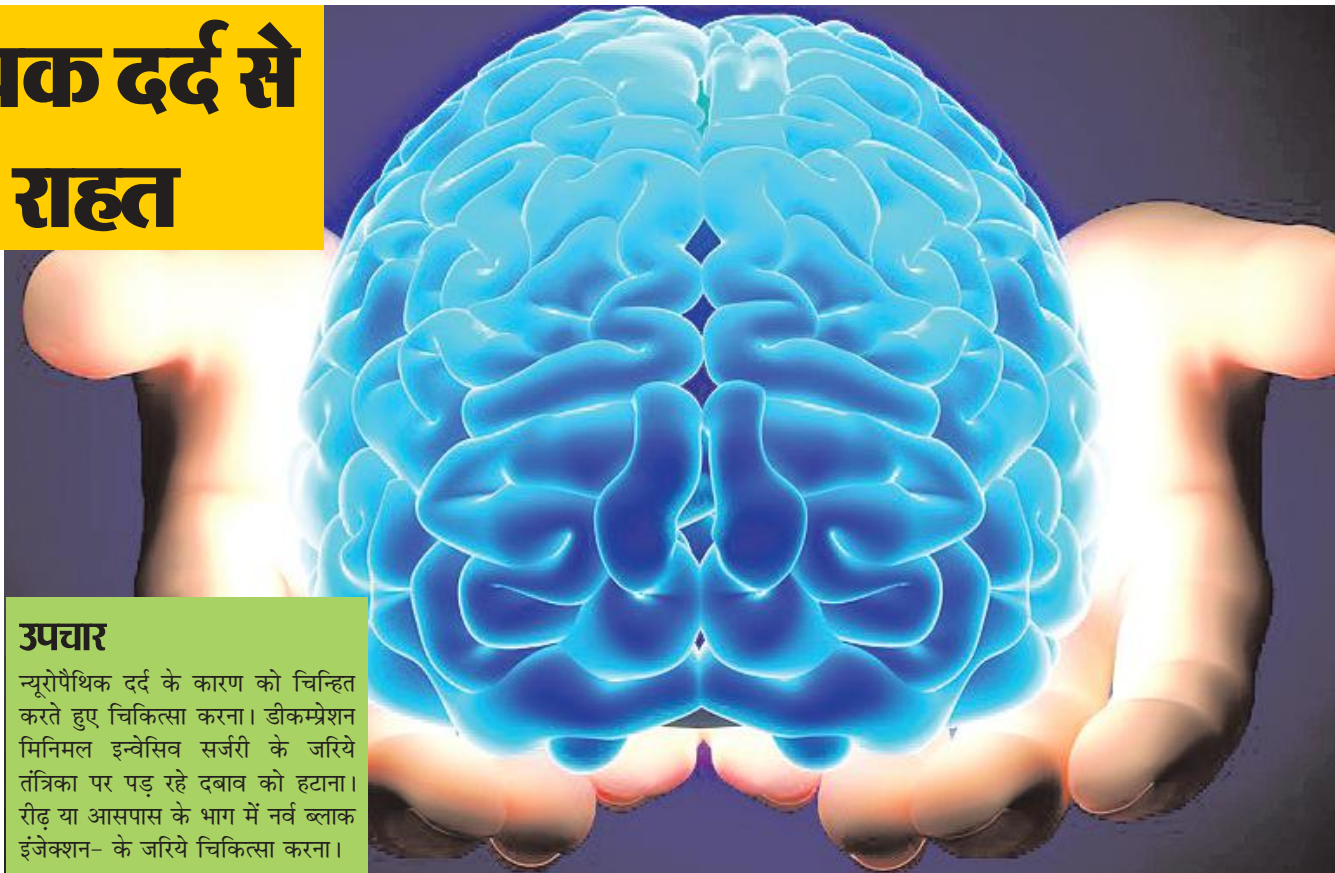
दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्टी पर काम करने वाले मजदूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है। एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।



न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।



उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्पेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डायबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है- इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डायबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डायबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डायबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान- में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त बसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बावत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता है। धीरे-धीरे यह भय एंगजाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसिलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।



मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैंक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हजार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताजा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हजार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गैम्स आदि पर रोज दो घंटे से ज्यादा समय बिताते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स



'जियो और जीने दो' के सिद्धांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चेकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रोढ़ावस्था में ही अपनी वृद्धावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दुःख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इंतजार करें।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या



कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरुष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहाँ हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूँकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गूँडे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपेशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है। विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं। विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है। कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईंधन, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर उठे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोतिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटाशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निरणय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर ही भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

अजय ने पूरी की 'सिंघम अगेन' की शूटिंग...

नई दिल्ली। 22 जुलाई को रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो साझा किया। उनकी और अजय देवगन की फिल्म सिंघम की रिलीज को 13 साल हो गए हैं। उन्होंने अपने फॉलोअर्स को अपनी आने वाली फिल्म 'सिंघम अगेन' के पर्दे के पीछे की झलक दिखाई और बताया कि अजय ने इसकी

शूटिंग पूरी कर ली है। वीडियो में उन्होंने अपनी यात्रा की कहानी बताई। वीडियो में लिखा था, 'आज सिंघम के 13 साल पूरे हो गए हैं और किस्मत का जादू देखते हैं। आज हम अजय सर के साथ सिंघम अगेन की शूटिंग भी पूरी कर रहे हैं। बतौर निर्देशक यह उनके साथ मेरी 13वीं फिल्म है।'

लाइफ Style

नेहा

विककी व तृप्ति को बताया खाने के शौकीन

एजेसी मुंबई

विककी कौशल, तृप्ति डिमरी, एमी विर्क और नेहा धूपिया अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'बैड न्यूज' की सफलता का आनंद ले रहे हैं।

इस फिल्म का काफी हिस्सा दिल्ली में फिल्माया गया है। अब नेहा ने वहां पर शूटिंग के दौरान हुए अपने अनुभवों को साझा किया है।

अभिनेत्री ने वहां पर विककी और तृप्ति के साथ हुए अपने मजेदार अनुभवों को साझा किया है। इस दौरान उन्होंने खाने के शौकीन विककी और तृप्ति के साथ वहां के कई लोकप्रिय व्यंजनों का आनंद लिया। इसके अलावा उन्होंने अभिनेत्री कैटरीना की तारीफ करते हुए कहा कि वह पार्टियों और डिनर की मेजबानी और आयोजन करने में काफी माहिर हैं। एक इंटरव्यू के दौरान नेहा ने बताया कि उन लोगों के लिए शूटिंग के दौरान खाना एक खास अवसर की तरह महसूस होता था।

उन्होंने विककी कौशल का जिक्र करते हुए कहा कि सेट पर खाने के सबसे बड़े शौकीन विककी और तृप्ति थे। इसको लेकर एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार वो सभी पुरानी दिल्ली में शूटिंग कर रहे थे और विककी को अचानक वहां के स्थानीय व्यंजनों की तलाश होने लगी। इसके बाद थोड़ी देर में ही वहां खाने के सामान को चारों तरफ बिखरा हुआ था। इसे देख कर उन्हें थोड़ी असहजता भी हुई, लेकिन इसके बावजूद भी सभी ने व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया, इस दौरान खाने की सुगंध चारों तरफ फैल गई थी।



हॉलीवुड मसाला

एंजेलिना की बेटी ने बदला नाम

लॉस एंजिल्स। एंजेलिना जोली की बेटी शिलोह जोली पिट ने अब पिता बैड पिट के साथ सारे रिश्ते-नाते तोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने अपना नाम बदलने के लिए लॉस एंजिल्स के एक अखबार में बड़ा विज्ञापन दिया। इसके लिए शिलोह जोली पिट ने पेलान किया है कि वह अपने नाम से 'पिट' सरनेम हटा रही हैं। 18 साल की शिलोह जोली पिट ने ऐसा कदम इसलिए उठाया क्योंकि कोर्ट द्वारा नाम को कानूनी तरीके से बदलने की मंजूरी देने से पहले यह जरूरी होता है।



एलेन ने बाइडेन के काम के लिए जताया आभार...

लॉस एंजिल्स। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान से हटने के फैसले पर हॉलीवुड सितारों की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कॉमेडियन और टीवी होस्ट एलेन डीजेनरेस ने लिखा, 'मेरे राष्ट्रपति बिडेन के हर काम के लिए उनकी आभारी हूँ। ऑस्कर विजेता और खिलाड़ी इतिहास के भाई और नात-लेखन सहयोगी फिलिपस ने राष्ट्रपति के साथ खड़े अपने परिवार की एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, 'मैं आज एक ऐसे व्यक्ति को देख रहा हूँ जो लोगों को खुद से और अपने गौरव से पहले रखते हैं, और इसलिए मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है।' अभिनेत्री, गायक और डायरेक्टर बारबरा स्ट्रीटैंड ने बाइडेन के समर्थन में एक पोस्ट लिखी। उन्होंने बाइडेन को एक ऐसा शब्द बताया, जिसने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। बारबरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर जो बाइडेन की प्रशंसा की है।

रोस्ट शो में शामिल होना था गलत

नई दिल्ली। कुशा कपिला एक अभिनेत्री और जानी मानी कंटेन्ट क्रिएटर हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं। वह अपने इंस्टाग्राम पर अलग-अलग तरह के वीडियो पोस्ट करती हैं, जिस पर उनके फैंस काफी प्रतिक्रियाएं भी देते हैं। बीते दिनों वह काफी चर्चा का विषय बन गई थीं, जब यूट्यूब पर उनका एक रोस्ट वीडियो जारी हुआ था। हाल में ही वह एक रोस्ट शो में गई थीं, जिसमें कई कॉमेडियन्स ने उनके ऊपर जोक्स बनाए थे, जो ज्यादातर उनके पूर्व पति जोरावर सिंह अहलवालिया से हुए उनके तलाक पर आधारित थे। इसके बाद से ही वह विवादों में घिर गई थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें लेकर बोले गए जोक्स काफी अमानवीय थे और उनके साथ पहले साझा नहीं किए गए थे। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि उन्हें पहले स्क्रिप्ट का अनुरोध करना चाहिए था।



रणबीर में नहीं है असुरक्षा का भाव

नई दिल्ली। लक्ष्य लालवानी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'किल' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस एक्शन फिल्म के साथ उन्होंने बड़े पर्दे पर अपने करियर की शुरुआत की है। फिल्म में उनके एक्शन की काफी तारीफ की जा रही है। इसे निर्माताओं द्वारा भारत की सबसे हिंसक फिल्म करार दिया गया था, जो काफी हद तक सही भी साबित होता है। इस फिल्म में लक्ष्य काफी खतरनाक अवतार में नजर आए हैं। इस फिल्म की तुलना पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' से की जा रही है, इस बीच लक्ष्य ने एनिमल के अभिनेता रणबीर कपूर को लेकर बात की है। लक्ष्य ने रणबीर के साथ अपनी मुलाकात याद करते हुए उन्हें शानदार अभिनेता और दूसरों से असुरक्षित महसूस ना करने वाला कलाकार बताया है।

टीवी मसाला

आपका अपना जाकिर में खेता बनीं नई 'द इट गर्ल'

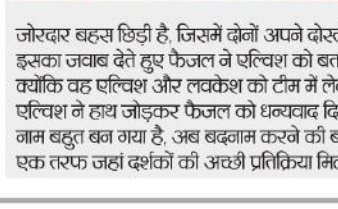
मुंबई। प्रसिद्ध कॉमेडियन जाकिर खान अपने नए शो 'आपका अपना जाकिर' के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सोनी टीवी पर जल्द ही प्रसारित होने वाला, यह शो ह्यूमर और जिंदगी के दिल छूने वाले फलसफों का शानदार मिश्रण पेश करने का वादा करता है। अपनी प्रासंगिक कॉमेडी के लिए मशहूर, जाकिर खान जीवन के उतार-चढ़ाव पर अपना अनोखा नज़रिया पेश करते हैं, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी भी मजेदार लगने लगती है। जाकिर के साथ, शो में कई प्रतिभाशाली कलाकार भी दिखेंगे, जो हंसी का भरपूर डोज देंगे। उनके साथी कलाकारों में से एक कोई और नहीं, बल्कि



टेलीविजन की अपनी बहू श्वेता तिवारी हैं। श्वेता इस शो में 'द इट गर्ल' का किरदार निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जो हमेशा गेम से एक कदम आगे रहती है। आत्मविश्वास से भरी, दिलचस्प और प्रतिभाशाली, श्वेता बेबाकी से बेसा ही किरदार पेश करेंगी जैसी वह खुद हैं। इस नए किरदार के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, "मैं लंबे समय के बाद ऐसा शो करने के लिए उत्साहित हूँ, जिसमें दर्शकों को मेरा एक नया रूप देखने को मौका मिलेगा।"

'नाम बहुत बन गया है, अब बदनाम करने की बारी है'

नई दिल्ली। 'बिग बॉस ओटीटी 3' विवादों का सीजन बनता जा रहा है। पहले अरमान मलिक ने विशाल को थप्पड़ मारा था। वहीं, अब इसके लेटेस्ट एपिसोड में अद्वान शेष और लवकेश कटारिया के बीच जमकाट झगड़ा हुआ, जो हाथपाई तक पहुंच गया था। अब लवकेश के वार के लेटेस्ट प्रोग में लवकेश कटारिया के दोस्त एरिक्श यादव और अद्वान शेष के दोस्त फैजल शेष के बीच जोरदार बहस छिड़ी है, जिसमें दोनों अपने दोस्तों को बचाने दिखाई दे रहे हैं। इसका जवाब देते हुए फैजल ने एरिक्श को बताया कि चूप का नाम '007' है क्योंकि वह एरिक्श और लवकेश को टीम में लेना चाहते हैं। इसके जवाब में एरिक्श ने हाथ जोड़कर फैजल को धन्यवाद दिया और कहा, 'धन्यवाद भाई, नाम बहुत बन गया है, अब बदनाम करने की बारी है। इस प्रोग वीडियो को एक तरफ जहां दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।



हॉलीवुड स्टूडियो के साथ मिलकर जय हनुमान बनाएंगे प्रशांत वर्मा?

मुंबई। साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्म हनुमान ने बाक्स ऑफिस पर जबर्दस्त टूफान मचाया। साल की शुरुआत में इस फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की थी। बुनियाभर के दर्शकों ने फिल्म को खूब पसंद किया। इस फिल्म के निर्देशक प्रशांत वर्मा को इससे खूब पहचान मिली। प्रशांत वर्मा इन दिनों हनुमान के सीक्वल जय हनुमान के प्री-प्रोडक्शन में बिजी चल रहे हैं। निरंजन रेड्डी के साथ मिलकर प्रशांत वर्मा फिल्म का सह-निर्माण करने के लिए कुछ हॉलीवुड स्टूडियो के साथ बातचीत कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जय हनुमान को 200 करोड़ के बजट में बनाया जाएगा। इसी के चलते प्रशांत वर्मा अपनी फिल्मों के लिए बड़े स्टूडियो की तलाश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रशांत वर्मा इस फिल्म में



भगवान हनुमान की भूमिका निभाने के लिए कुछ बड़े सितारों के साथ बातचीत कर रहे हैं। फिलहाल इसे लेकर कोई अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, दर्शकों को हनुमान की अपार सफलता के बाद इसके सीक्वल जय हनुमान का बेसब्री से इंतजार है। इसके साथ ही ये देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म ने हनुमान के किरदार में कौन सा अभिनेता नजर आएगा। हनुमान प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स की पहली फिल्म थी, जिसमें शानदार कहानी के साथ कम्प्यूटर ग्राफिक्स, स्पेशल इफेक्ट्स, डायलॉग और बेहतरीन संगीत देखने को मिला। निर्देशक प्रशांत वर्मा ने इस फिल्म की सफलता के बाद इसके सीक्वल 'जय हनुमान' का ऐलान किया था। ये फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

प्रियंका बर्नी समंदर की लुटेरी, 'द ब्लफ' के सेट से लीक हुआ लुक



मुंबई। मुंबई में अंजल अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में शामिल होने के बाद प्रियंका चोपड़ा वर्क कमिटमेंट के कारण ऑस्ट्रेलिया लौट गईं। वहां पर वो अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' की शूटिंग कर रही हैं। इसी फिल्म के सेट पर उन्होंने अपना बर्थडे भी सेलिब्रेट किया था और अब सेट से उनकी कुछ फोटोज लीक हो गई हैं, जिसमें वो कभी ना देखे गए अवतार में नजर आ रही हैं। उनकी फोटोज इंटरनेट पर आग की तरह फैल गई हैं। वो फ्रैंक ई टायलर की पीरियड एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में एक समुद्री डाकू की भूमिका निभा रही हैं। लीक हुई तस्वीरों में उन्हें एक पायरेट शिप पर एक सौतेले के बीच में दिखाया गया है। वह ब्लैक कलर के आउटफिट में हैं और पूरी तरह से योद्धा के अवतार में नजर आ रही हैं, लेकिन आउटफिट से ज्यादा उनकी हेयरस्टाइल ने लोगों का ध्यान खींचा है। ये प्रियंका का अब तक का ना देखा गया अवतार है।

ओटीटी पर रिलीज होगी ये फिल्में-सीरीज

'ब्लडी इश्क' के साथ इस हफ्ते होगी 'भैया जी' की दहशत



भैया जी : इस हफ्ते ओटीटी पर मनोज बाजपेयी का भीकाल होगा। वे अपनी फिल्म 'भैया जी' के जरिए ओटीटी पर धमाल मचाएंगे। 'भैया जी' एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार के लिए खड़ा होता है और अपने प्रियजनों के प्रति की गई गलतियों का बदला लेना चाहता है। फिल्म में मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में हैं और यह 26 जुलाई को जोड पर रिलीज होगी।



ब्लडी इश्क : ब्लडी इश्क एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे एक नए घर में अलौकिक चीजों का अनुभव होने लगता है। फिल्म में अविा गौर मुख्य भूमिका में हैं और यह 26 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

वटनी सांबर : 'चटनी सांबर' एक अनाथ स्ट्रीट वेंडर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अप्रत्याशित रूप से अपने अमीर सौतेले भाई के व्यवसाय का हिस्सा बन जाता है। इस सीरीज में योगी बाबू, वाणी भोजन, कृष हसन और चंद्रमौली पीएस मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 26 जुलाई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।



एलीट सीजन-8 : 'एलीट' एक स्पेनिश हाई-स्कूल ड्रामा है जो एक अमीर समाज में सेट है। इसके 8वें सीजन में मारिया पेद्राजा, इतना एस्कैमिला, मिगुएल बर्नाडो, जैमे लोरेटे, एरॉन पाइपर, मीना एल हम्मानी, एक्टर एक्सपोसिटो, उमर अयूसो और डैना पाओला मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 26 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।



एलीट सीजन-8 : 'एलीट' एक स्पेनिश हाई-स्कूल ड्रामा है जो एक अमीर समाज में सेट है। इसके 8वें सीजन में मारिया पेद्राजा, इतना एस्कैमिला, मिगुएल बर्नाडो, जैमे लोरेटे, एरॉन पाइपर, मीना एल हम्मानी, एक्टर एक्सपोसिटो, उमर अयूसो और डैना पाओला मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 26 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

मुंबई। आज के दौर में कई लोग सिनेमाघरों में बैठकर फिल्मों का मजा नहीं ले पाते हैं। वे घर बैठे ही रोमांचक शो और फिल्में देखना पसंद करते हैं। वहीं कई लोग ऐसे भी होते हैं, जो ओटीटी पर पसंदीदा वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने का इंतजार करते हैं। अब उनके इंतजार पर विराम लगने वाला है। दर्शकों के लिए जुलाई का आखिरी हफ्ता धमाकेदार साबित होने वाला है, क्योंकि इस हफ्ते ओटीटी पर कई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने वाली हैं। चलिए आपको बताते हैं कि कौन सी फिल्में और वेब सीरीज कहां और कब रिलीज होने वाली हैं।

महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में बारिश ने मचाई तबाही, कहीं स्कूल कॉलेज बंद तो कहीं रेल सेवाएं हुईं प्रभावित

तेलंगाना में बिगाड़े हालात, चारों तरफ पानी ही पानी

तमिलनाडु में राहत एवं बचाव दल तैनात किया

मुंबई में बारिश के दौरान पानी से भरे पुलिस स्टेशन में काम करते रहे पुलिसकर्मी



एजेसी नई दिल्ली

महाराष्ट्र और तमिलनाडु सहित कई राज्यों में भारी बारिश होने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। मुंबई में पुलिस थानों और रेल लाइनों पर पानी भरने से रेल सेवाएं प्रभावित हुई हैं तो तमिलनाडु में स्कूल और कॉलेज की छुट्टी कर दी गई है। कई शहरों से हवाई सेवाएं प्रभावित होने की खबरें भी आ रही हैं। जिसके कारण बस, ट्रेन और हवाई यात्रा करने वालों को काफी जद्दोजहद करना पड़ी।

महाराष्ट्र में बारिश ने मचाया हाहाकार

महाराष्ट्र के कई जिलों में मुसलाधार बारिश हुई है, जिसके चलते कई बांधों के गेट खोल दिए गए हैं और नदियों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सोमवार को भारी बारिश की संभावना के कारण कुछ जिलों में स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। रायगढ़, चंद्रपुर, अंडापुर, नागपुर, और गढ़चिरोली के स्कूल बंद रहेंगे। इसके अलावा, कोल्हापुर जिले में भी स्कूल न खोलने के निर्देश दिए गए हैं। चंद्रपुर शहर के पास इराई बांध के सभी 7 गेट एक मीटर तक खोल दिए गए हैं, जिससे 462 क्यूसेक पानी इराई नदी में छोड़ा जा रहा है। वर्तमान में वर्षा नदी का जलस्तर कम होने के कारण इराई नदी में पानी तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, यदि गोसासुर बांध से पानी छोड़ा गया तो तेलंगाना नदी का जलस्तर बढ़ सकता है।

24 घंटे में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश

मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में जोरदार बारिश हो रही है। मुंबई में कई स्थानों पर सोमवार को सुबह आठ बजे तक पिछले 24 घंटे में 200 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। इससे कल्याण और ठाकुरी स्टेशन के बीच व्यस्त समय के दौरान लोकल ट्रेन सेवाएं थोड़ी देर के लिए बाधित हुईं। सुबह छह बजे से सात बजे के बीच महज एक घंटे में कुछ इलाकों में 34 मिलीमीटर तक की बारिश दर्ज की गई।

लगभग पूरे भारत में होगी भारी बारिश

आईएमडी के मुताबिक, अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 23 जुलाई को पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश की संभावना है। 24 और 25 जुलाई को हिमाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, 22-23 जुलाई के दौरान पंजाब और हरियाणा चंडीगढ़, 23-25 जुलाई के दौरान उत्तर प्रदेश, 22-24 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान, 22, 24 और 25 जुलाई को पूर्वी राजस्थान, 23 और 24 जुलाई को जम्मू और कश्मीर में भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम वर्षा के साथ-साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा और गरज के साथ बिजली चिरने की संभावना है।

कल्याण और ठाकुरी में रेल सेवा प्रभावित



मुंबई मध्य रेलवे ने भी बताया कि सभी चार गलियारों पर लोकल ट्रेन सेवाएं समाप्त हैं। हालांकि, यात्रियों ने दावा किया कि सिग्नल के कारण सुबह व्यस्त समय के दौरान कल्याण और ठाकुरी स्टेशन के बीच रेल यातायात प्रभावित हुआ।

भद्राचलम में 48 फीट मरा पानी



भद्राचलम। सोमवार को दोपहर 2 बजे गोदावरी का जलस्तर दूसरे चेतानोरी स्तर 48 फीट पर पहुंच गया। सुबह 7 बजे जलस्तर 46 फीट पर पहुंच गया, जिसके बाद धीरे-धीरे यह दूसरे चेतानोरी स्तर पर पहुंच गया। तेलंगाना के भद्राचलम संभाग में 45 पुनर्वास और मंदिर नगर में 10 पुनर्वास केंद्रों की स्थापना के लिए अधिकारियों ने पूर्वोत्तमन को देखते हुए कदम उठाए। उन्होंने सभी एडमिनिस्ट्रेशन बरतने और बफर स्टॉक बनाए रखने तथा मौसमी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए सभी मंडलों में स्वास्थ्य कर्मचारियों की नियुक्ति करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारियों के साथ पल-पल की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। उन्होंने उपजिलाधिकारी कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है।

नाले की तरह बह रहा सड़कों पर पानी



मुंबई में बारिश के चलते दादर में सड़कों पर पानी का तेज बहाव दिखाई दिया

पानी में जाम ही जाम



कल्याण में भारी बारिश के कारण जाम की स्थिति बनी

मुंबई के मानसूरुद में 224 मिमी बारिश



ट्रॉफे, मानसूरुद में एडव्यूएस स्टेशन ने अधिकतम 241 मिमी बारिश दर्ज की। इसके अलावा मानसूरुद में नूतन विद्यामंदिर में 224 मिमी, वडाला में नादकरणी पार्क में 223 मिमी और भांडुप में 'एन' वार्ड ऑफिस में 215 मिमी बारिश दर्ज की गई।

खबर संक्षेप

उदाया सवाल: दिव्यांग कोटे की जरूरत क्यों?

हैदराबाद। तेलंगाना वित्त आयोग की सदस्य-सचिव स्मिता सभरवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर कहा कि दिव्यांगों के प्रति पूरा सम्मान है, लेकिन क्या कोई एयरलाइन दिव्यांग पायलट को काम पर रखती है? या आप दिव्यांग सर्जन पर भरोसा करेंगे? भारतीय सेवाओं की प्रकृति फ्रीड-वर्क, लंबे समय तक काम करने वाले घंटे, लोगों की शिकायतों को सीधे सुनना है-जिसके लिए शारीरिक फिटनेस की जरूरत होती है। इस प्रमुख सेवा को पहले स्थान पर इस कोटे की आवश्यकता क्यों है।

मनोरमा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

पुणे। जिले की एक अदालत ने सोमवार को आईएस ट्रेनी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मनोरमा खेडकर को भूमि विवाद को लेकर कुछ लोगों को बंदूक दिखाकर धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सोमवार को पुलिस हिरासत समाप्त होने के बाद मनोरमा को प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उसे हिरासत में भेजने के एक दिन से गिरफ्तार किया गया था।

केंद्र ने कहा-बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता

पटना से लेकर दिल्ली तक मचा घमासान

मड़का विपक्ष: आरजेडी ने नीतीश से मांगा इस्तीफा, लालू ने दिल्ली में दे दी दस्तक

एजेसी नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को साफ कर दिया कि बिहार को विशेष दर्जा नहीं दिया जाएगा। संसद के दोनों सदनों में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठाने के बीच सरकार ने 2012 में तैयार एक अंतर-मंत्रालयी समूह की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का कोई मामला नहीं बनता है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू ने हाल ही में राज्य के लिए विशेष दर्जा या विशेष पैकेज की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया था।

राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने शून्यकाल में उठाया था सवाल

अब आरजेडी समेत विपक्षी पार्टियां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफा की मांग करते हुए उन पर निशाना साध रहे हैं। उधर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव इस मुद्दे पर दिल्ली में दस्तक दे दी हैं। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में एक सवाल के माध्यम से यह मुद्दा उठाया गया। वहीं, राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने शून्यकाल में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज, दोनों देने की मांग उठाई। पहले सर्वदलीय बैठक में भी भाजपा के सहयोगी पार्टियों सहित बिहार के कुछ दलों द्वारा राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने की मांग उठाई गई थी।

दिल्ली पहुंचे लालू बोले- विशेष दर्जा लेकर रहेंगे

राज्य ब्यूरो, पटना। बिहार के लिए विशेष दर्जा की मांग को लेकर जारी राजनीति के बाद राजद सुप्रीमो और पूर्व मंत्री लालू प्रसाद दिल्ली पहुंच गए हैं। सोमवार की सुबह दिल्ली रवाना होने के पूर्व पटना एयरपोर्ट पर उठते स्थानीय मीडिया से बात की और कहा कि बिहार में आपराधिक वास्तविकता बढ़ी है। नीतीश सरकार को उन्होंने डर में डालने पर फेल बताया। राजद से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, लालू प्रसाद अपने स्वास्थ्य की जांच के लिए दिल्ली गए हैं। वे दिल्ली प्रवास के दौरान एक्स जांचें और यहां के डॉक्टरों से स्वास्थ्य की जांच कराएंगे। उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया से कहा कि नीतीश कुमार ने कहा था कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएं, लेकिन आपकी इस कवायद में वे फेल रहे। लालू ने कहा कि उन्हें नैतिकता के आधार पर अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। लालू प्रसाद ने एक बार फुल वेयर किया कि वे बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा और पैकेज लेकर रहेंगे। बता दें कि सोमवार को आम बजट से पहले जेडीयू ने एक बार फिर से बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष सहायता देने की मांग की है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने की मांग बिहार की जनता की आवाज है।

जेडीयू के सवाल पर सरकार का जवाब

लोकसभा में जनता दल यूनाइटेड के सदस्य रामप्रत मंडल ने सवाल किया था कि क्या सरकार का आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य और अन्य अर्थव्यवस्था पिछड़े राज्यों को विशेष दर्जा प्रदान करने का विचार है? इस सवाल के लिखित जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि अतीत में राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने कुछ राज्यों को विशेष श्रेणी का दर्जा दिया है। मंत्री ने कहा कि इन राज्यों में कुछ ऐसी विशेषताएं थीं जिन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि इनमें पर्वतीय और दुर्गम भूभाग, कम जनसंख्या घनत्व या आदिवासी जनसंख्या की बड़ी हिस्सेदारी, पड़ोसी देशों के साथ सीमाएं और राजनीतिक स्थान, आर्थिक और बुनियादी संरचना के लिहाज से पिछड़ापन और राज्य के वित्त की अलाभकारी प्रकृति शामिल रही।

बिहार के राजनीतिक दलों ने की मांग

रविवार को सर्वदलीय बैठक में जेडीयू नेता संजय कुमार झा ने विशेष राज्य के दर्जा की अपनी पार्टी की मांग दोहराई थी। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भाजपा की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल ने भी बैठक में यह मांग उठाई थी। राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग सोमवार को राज्यसभा में भी उठी। आरजेडी के सदस्य मनोज झा ने उच्च सदन में बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जा के साथ-साथ विशेष पैकेज देने की भी मांग उठाई और कहा कि इसके लिए उनकी पार्टी संसद से सड़क तक संघर्ष करेगी।

सीतारमण बोलीं- मेरा भी माइक बंद विपक्ष पर कसा तंज- आपको संतुष्टि तो मिल गई होगी

तंज पर लगे ठहाके

एजेसी नई दिल्ली

दरअसल, सोमवार से मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट सत्र शुरू हो चुका है। बजट सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का माइक अचानक बंद हो गया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर तंज भी कसा। जिसकी इंटरनेट मीडिया पर खूब चर्चा है। दरअसल, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण केरल के तिरुअनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर के सवाल का जवाब दे रही थीं। इसी दौरान उनका माइक बंद हो गया था। शशि थरूर ने दिवालियापन न्यायाधिकरणों में स्टाफ की कमी का मुद्दा उठाया था। जवाब में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश में करोबार को आसान बनाने के विभिन्न कदमों का उल्लेख किया।

हिंदी वॉयसओवर बंद किया जाए: सुप्रिया

केंद्र सरकार अपने टेलीविजन चैनल पर अंग्रेजी या क्षेत्रीय भाषाओं के लिए हिंदी वॉयस ओवर बंद करे। लोकसभा सांसद और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने सोमवार को यह मांग की। सुले ने कहा कि संसद टीवी ने इस लोकसभा के पहले सत्र में अंग्रेजी या क्षेत्रीय भाषाओं में सांसदों द्वारा दिए गए भाषणों को हिंदी में वॉयसओवर देने की प्रथा की शुरुआत की थी और यह बजट सत्र में भी जारी है। उन्होंने कहा, यह एक तरह की शेरशिप है। यह करोड़ों गैर-हिंदी भाषी भारतीयों को अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के मूल शब्दों को उनकी भाषाओं में सुनने के अधिकार से वंचित करता है। सरकार को इस भेदभावापूर्ण कदम को तत्काल रोकना चाहिए।

नेम प्लेट पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद आई प्रतिक्रिया अखिलेश यादव ने कहा-सौहार्दमेव जयते! मुख्यमंत्री सैनी बोले- आदेश शिरोधार्य

एजेसी नई दिल्ली

कांबड़ यात्रा के मार्ग पर आने वाले होटलों पर उनके मालिकों के नाम की प्लेट लगाने के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सर्वोच्च अदालत ने इस मामले में उत्तर प्रदेश प्रशासन के फैसले पर रोक लगा दी। इस मामले पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपना विचार व्यक्त किया है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा- 'एक नयी 'नाम-पट्टिका' पर लिखा जाए : सौहार्दमेव जयते!' यूपी के मुजफ्फरनगर से शुरू हुए नेम प्लेट विवाद पर हाल में



ही अखिलेश यादव ने एक्स कर कहा था- मुजफ्फरनगर पुलिस ने जनता के भाईचारे और विपक्ष के दबाव में आकर आखिरकार होटल, फल, ठेलेवालों को अपना नाम लिखकर प्रदर्शित करने के प्रशासनिक आदेश को स्वीच्छक बनाकर जो पीठ थपथपाई है, उतने



से ही जनता मानने वाली नहीं है। कोर्ट के फैसले पर हरियाणा के सीएम नाराज सिंह सैनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश हमारे शिरोधार्य है और हम उसके आदेश का पालन भी सुनिश्चित करते हैं। लेकिन आगे उन्होंने यह भी कहा कि जो धार्मिक प्रवृत्ति के लोग हैं।

नूंह की ब्रजमंडल यात्रा में भाईचारा: 356 दिन बाद मिटा कलंक मुसलमानों ने पिलाया पानी, हिंदुओं ने खिला दिया प्रसाद

एजेसी नूंह

ब्रजमंडल जलाभिषेक यात्रा के दौरान एक बार फिर मेवात का सदियों पुराना हिंदू मुस्लिम एकता का संगम नजर आया। आज से 11 महीने 22 दिन पहले इसी यात्रा के दौरान गत वर्ष जो कलंक मेवात के माथे पर लगा था, उसे मिटाने के लिए मुस्लिम समुदाय ने शानदार पहल की। वर्ष 31 जुलाई को जिस जगह पर पथराव हुआ था, इस वर्ष उसी जगह पर यहां यात्रा में आए श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा देखी गई।

जिले में करीब 19 जगह पर ब्रज मंडल यात्रा का मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा फूलों से स्वागत किया गया और उन्हें जलपान भी कराया। नूंह में यह शुरुआत मेवात विकास सभा के अध्यक्ष जाहिद हुसैन बाई ने अपने समर्थकों के साथ की। खास बात यह रही की इस बार नलहड़ महादेव मंदिर पर भी मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचे और उन्होंने प्रसाद ग्रहण करते हुए यात्रा में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इससे एक बार फिर हिंदू मुस्लिम सांझी संस्कृति को बल मिला।

फूल बरसाकर यात्रा में आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया

पिछली साल जलामिषेक यात्रा के दौरान पथरावबाजी हुई थी

श्रद्धालुओं का स्वागत किया और जलपान कराया



मिसाल पेश की

मंत्र के अध्यक्ष जाहिद हुसैन ने कहा उनके अलावा जिले में नूंह, मालख सहित दर्जनभर स्थानों पर मेवात विकास मंत्र के तर्फ से यात्रा का स्वागत किया गया है। दर्जन भर लोगों ने यात्रा में आते श्रद्धालुओं के स्वागत में फूल बरसाए और उन्हें माला पहनाकर मले लगया और हिंदू मुस्लिम भाईचारे को कायम रखने के लिए एक मिसाल पेश की।

शरारती तत्वों ने खराब किया था माहौल

स्वागत की इस कड़ी में नेवली मोड व मैडिकल मोड पर जहां पिछली साल जलामिषेक यात्रा के दौरान पथरावबाजी हुई थी, मेवात विकास मंत्र के अध्यक्ष व भाजपा के वरिष्ठ नेता चौधरी जाहिद हुसैन चेयरमैन ने फूल बरसाकर यात्रा में आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया और जलपान कराया। जाहिद हुसैन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले वर्ष मेवात में बरसों से वले आ रहे हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को कुछ शरारती तत्वों ने खराब करने की कोशिश की थी, लेकिन इस भाईचारे को कायम करने के लिए मेवात के मुस्लिम संगठनों ने यात्रा में आए श्रद्धालुओं का फूल माला पहनाकर जगह-जगह पर पानी पिलाकर और उनके जलपान कराकर स्वागत किया है।